नई किताब

मोक्ष की तलाश

संस्कृत उक्ति काशी मरणान्मुक्ति का अर्थ है काशी में मरने वालों को जन्म-मृत्यु के कष्टप्रद चक्र से मुक्ति मिल जाती है। यह किताब 13 वर्षीय बालक महा मृणांगम की मोक्ष की ओर आध्यात्मिक यात्रा की कथा कहती है जो सत्य की खोज में जा पहुंचता है काशी के मणिकर्णिका घाट और चांडाल के रूप में शवों को अंतिम यात्रा पर भेजने में मदद करने लगता है। हर बार जब उसे लगता है कि वह किसी गुरु के सहारे सत्य को पा लेगा, तभी उसे आवाज सुनाई देती है - याद रख मैं तेरा गुरु नहीं। नायक महा अपनी आध्यात्मिक बेचैनी को खत्म करने और अंतिम सत्य को जानने के लिए चार धामों और बारह ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पर निकलता है। हर एक पड़ाव के साथ महा को लगता है कि वह खुद के और करीब जा पहुंचा है। कथा की विशेषता यह है कि प्राचीन नगरी काशी, आज का बनारस, हर पल एक किरदार की तरह साथ चलता है। पूरी कथा अत्यंत रोचक और दिलचस्प अंदाज में कही गई है। हमारे पारंपरिक ज्ञान के आधुनिक हिंदी भाष्य बहुत कम हुए हैं, यह कृति उस कमी को एक हद तक दूर करती है।

पुस्तक : काशी मरणान्मुक्ति
लेखक : मनोज ठक्कर, रश्मि झालोड़
प्रकाशक : शिव ॐ साई प्रकाशन, इंदौर **कीमत:** *501 रुपए*